Name of the Teacher : **Professor Meenu Agrawal**

Department : Ancient History,Culture & Archaeology

Current Designation : Professor

Google Scholar Id- s77ao7sAAAAJ

Vidwan ID - **https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/174982**

You Tube Channel : Meenu Agrawal SSK – 64 videos under 8 playlist, Link below: https://www.youtube.com/@dr.meenuagrawalssk3884

Topic & Year of Award of Ph.D- Religious Data of Markandeya Purana, 1992,
Teaching experience : PG Classes (since 2016), UG Classes (since 1987)

Fields of Specialization under the subject /discipline : A) Culture, B) Studies in Puranas, C) Art & Architecture D) Epigraphy E) IKS

1. **Research Projects : Completed /ongoing**:

Title of Research Project		**Funding Agency/Sponsor**	**Project value (more than Rs. 10 Lacs or less than Rs.!0.0 Lacs)**	**Status of Project completed or ongoing**
प्रयाग की प्राचीन संस्कृति एवं विरासत	PI	UGC, New Delhi	23,500/=	Completed
इलाहाबाद के प्रमुख ऐतिहासिक पुरास्थल -गढवा एवं भीटा	PI	(part of group Project) College under CPE Phase II of UGC Scheme	-	Completed https://www.youtube.com/watch?v=FssU9Zo0IfA
पुराणों में निर्वचन	PI	ICHR, New Delhi	1.50,000 for two years	Completed
पभोसा की जैन मूर्तियों का प्रतिमाशास्त्रीय अध्ययन	PI	(Joint Project) College under CPE Phase II of UGC Scheme	15,000/=	completed
प्रयागराज की अमूल्य विरासत-कुम्भ, दशहरा और मुंज के सन्दर्भ में	Co-PI	ICSSR, New Delhi	35,00,000	Going on
Exploration & Documentation of Water Management	Co-PI	IKS Division, AICTE, MoE, GoI. AICTE, New Delhi, under IKS		Going on

Methods practiced in Different Regions of Ancient Bharat		Institutional Internship Scheme 2024		
IKS Division Internship Program 2024 IKS Wikki पुराण साहित्य में ज्ञान विज्ञान	PI	IKS Division, AICTE, MoE, GoI. AICTE New Delhi.		Going on

Award/ Recognition:

SN	Name of awarding Body	Name of Award Honour	Date	Local/National/International
1	Samrat Harshvardhan Shodh Sansthan, Prayagraj	Best research Paper presentation Award in International Seminar on PRAYAGRAJ KUMBH 2018	30.11.2018	State
2.	Shri Arvindo Society (ZEIEI)	Teacher Innovation Award(Certificate of Appriciation)	30.9.2019	National
3.	प्रयाग गौरव सम्मान समिति	Prayag Gaurav Samman	11.2.2008	Regional
4.	Rotary Allahabad South	Award of Excellence	2000	Regional
5.	Aid Cancer & Tuberculosis Society, Lucknow	Appriciation Certificate	2004	Regional

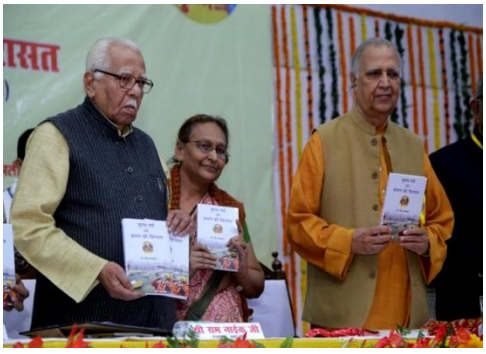

यू.जी.सी द्वारा 2018- 20 में अनुदानित 'प्रयाग की संस्कृति और विरासत' विषयक लघु शोध परियोजना के अन्तर्गत पहली बार संज्ञान में आने वाली पुरातात्विक धरोहर-

इलाहाबाद में यमुनापार क्षेत्र में भीरपुर में बैंक शाखा से लगभग 200 मीटर की दूरी पर घोडेडीह गॉव में खेत में एक प्राचीन मंदिर के ध्वंसावशेष पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, पुरातत्व विषेशज्ञों के मत से इसकी प्राचीनता 10वीं से 12वीं सदी के मध्य रखी जा सकती है।

इलाहाबाद क्षेत्र में इंटों से बने प्राचीन मंदिरों की परम्परा का यह पहला ज्ञात उदाहरण है, इसलिए भी इसका महत्व अधिक है। यद्यपि इस खंण्डित हो चुके मंदिर की पश्चिमी दीवार का हिस्सा ही बचा है नीचे कई मूर्तियॉ खण्डित या अर्धखण्डित अवस्था में हैं मूर्तियॉ पाषाण निर्मित है। यहॉ सूर्य, गणेष, चामुण्डा की मूर्तियॉ, गंगा यमुना सहित द्वार स्तम्भ, वोटिव टेम्पिल, खण्डित अन्य द्वार खण्ड, द्वार उदुम्बर है, गंगा यमुना के अंकन वाले द्वार स्तम्भ इलाहाबाद की मंदिर वास्तु परम्परा के अनुकूल है। मंदिर के सिरदल वाले भाग पर ब्रहमा विष्णु और शिव का अंकन है। काल के थपेडों में बचे ध्वंसावशेष क्षेत्र की पुरानी मंदिर वास्तु परम्परा के साक्षी है। विरासत के इन चिहनों को बचाना हर नागरिक का कर्तव्य है।

सूर्य प्रतिमा

चामुण्डा

गणेश

नदी विग्रह युक्त द्वार

वोटिव टेम्पिल

पश्चिमी दीवार के अंश

उदुम्बर

सिर